770
12/12/12

खण्ड-11 संख्या-13

दशम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(कार्यवाही भाग-2, प्रश्नोत्तररहित)

सत्यमेव जयते

बुधवार

तिथि 21 जुलाई, 1993 ई०

दशम् बिहार विधान-सभा

खण्ड-11 संख्या-13

विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि 21 जुलाई, 1993 ई०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

(सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में बुधवार, तिथि 21 जुलाई 1993 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।)

शून्यकाल की चर्चाएँ :-

(इस अवसर पर विरोधी पक्ष के कई माननीय सदस्य एक साथ उठकर बोलने लगे)

(क) अनशन तोड़ने की व्यवस्था :

श्री विजय शंकर दूबे : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री दशरथ सिंह आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। जपला सीमेंट फैक्ट्री को खोलने का निर्णय हो चुका था लेकिन वह अभी तक नहीं खुला है इसलिए वे आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं उनके अनशन को तोड़वाने की व्यवस्था की जाय।

(ख) जपला सीमेंट फैक्ट्री को पुनः चालू कराना।

श्री रमेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, जपला सीमेंट फैक्ट्री बंद है उसको चालू करवाया जाय। सरकार से कहा जाय कि वे इस पर ध्यान दें और फैक्ट्री को चालू करवायें। इस संबंध में माननीय विधायक श्री दशरथ सिंह आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं, उनके अनशन को तोड़वाया जाय। यह हमारी अपील है।

(व्यवधान)

(ग) नाव की व्यवस्था

श्री शाहिद अली खाँ : अध्यक्ष महोदय, सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया

के चकवा एवं जमल प्रखंड के ग्रामों में बाढ़ आ जाने से 100 आदमी की मौत हो जाने की सूचना है। इन सभी ग्रामों में एक भी नाव नहीं है। लोग छत पर चढ़े हुए हैं। सिंचाई विभाग द्वारा इन सभी ग्रामों को बचाना था लेकिन उन लोगों को नहीं बचाने के कारण ऐसी हालत हुई है। अतः आपके माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि अविलम्ब इसकी व्यवस्था करायी जाय और राहत दिलायी जाय।

(सदन में शोरगुल)

(इस अवसर पर कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लगे)

डॉ० जगन्नाथ मिश्र : वह विषय तो हो गया। अभी जो बातें माननीय सदस्य उठा रहे हैं, यह तो पुरानी बाते हैं। इस पर एक मीटिंग हुई थी, मुख्यमंत्री भी थे आपके चेम्बर में, मैं भी था, आप भी थे वह क्यों नहीं हुआ? उद्योग मंत्री इसको एक्सप्लेन कर दें। जो वार्ता हुई थी उस समय मंत्री भी थे और मुख्यमंत्री भी थे और अध्यक्ष महोदय, आपके समक्ष बातें हुयी थी और हुआ था कि जपला कारखाने को 31 अगस्त तक चालू किया जायेगा मीटिंग में तय हुआ था, हमारे दल के लोग भी गये थे, एक रास्ता निकला था किस परिस्थिति में फिर यह चालू नहीं हो पाया। श्री महावीर प्रसाद, उद्योग मंत्री की हैसियत से दिलचस्पी भी लिये थे लेकिन उसमें न श्री दशरथ कुमार सिंह को मालूम हो सका और न हमलोगों को मालूम हो सका कि वह कारखाना क्यों नही चालू हुआ। श्री दशरथ कुमार सिंह आपके चेम्बर के पास धरने पर बैठे हुये हैं। जो तख्ती उन्होंने लगा रखी है और उनमें जिन बातों की चर्चा की गयी है उन बातों के बारे में सरकार को बतलाना चाहिए कि वह बात दशरथ कुमार सिंह कहते हैं वह सही है या नहीं, उस पर आप क्या कहते हैं?

महावीर प्रसाद : आज ही पाँच बजे शाम में मैं अपनी बात बतला दूँगा जपला सीमेंट फैक्ट्री के बारे में।

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य बैठ जायें। आज पाँच बजे शाम में माननीय मंत्री इस पर अपनी बात बतला देंगे।

(घ) पटना उच्च-न्यायालय का निर्णय :

डा० जगन्नाथ मिश्र : उन्हें पाँच बजे तक धरना पर बैठे रहने दिया जाये,